in Hindi, books of no other regional language are being purchased there. For example, in Tamil Nadu, the employees working in Central Government departments are being pressurized to learn Hindi. The departments themselves are displaying Hindi version alongwith English on their boards. On the flights of Indian Airlines, they are making announcements in English and Hindi, but regional languages are not at all used by them. Why they are banned, we do not know. I can give one instance after another. In all the Central Government departments or in the LIC and other offices and Defence departments, awards are presented only in the name of Hindi. Now it is a very regrettable thing that this book...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Please don't display it.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Okay, Madam. Yesterday I picked up some Annual Reports from the Rajya Sabha Publications Counter. Out of them, one Annual Report is completely in Hindi. No English copy was available. Whether it is printed or not and whether it is available or not, I do not know ... (*Interruption*) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Let him complete. Let me know what he is saying...(*Interruptions*)...What report is this? I think you are referring to the report of the Industry Ministry...(*Interruptions*)... Please listen to me. You want to raise an issue relating to imposition of Hindi. The language issue is a different thing... (*Interruptions*)...Please hear me. The report which you are referring to—copy of the Industry Ministry's report—is available at the counter in English. Other Members have picked it up. Any other issue?

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: It should have been supplied alongwith this.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): It is available now. If you have another issue please raise it...(*Interruptions*)...It is available at the Publications Counter in English...(*Interruptions*)... If you all speak together, I cannot hear you ... (*Interruptions*) ...

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: We want India, not Hindia ... (*Interruptions*) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): The Minister wants to reply. Let the Minister reply ...(*Interruptions*)...The Hon. Minister wants to reply. Kindly let him say something...(*Interruptions*)...Don't you want the Minister to reply?

SHRI MISA R. GANESAN: In the Indian Airlines flights they are making announcements in English and Hindi ... (*Interruptions*) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Mr. Ganesan, don't you want the Minister to reply? ...(*Interruptions*)...I am going to call the next person. If you don't want the Minister to reply, I will call the next person, Shri Raj Nath Singh.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Let the Minister react.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI K. V. THANGKA BALU): Madam, the Government has no intention to impose Hindi or any other language in the country. That is an assurance given by the then Prime Minister, Pandit Jawaharlal Nehru, and there is no question of imposing Hindi or non-Hindi speaking people. Today, if any specific instances are given, we will look into them...(*Interruptions*).

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Two different voices are coming from the same Cabinet, one from hon. Shri Arjun Singh, Minister for Human Resource Development, and another from hon. Shri Thangka Balu ... (*Interruptions*).

Need for investigation into frauds involving crores of rupees of U.P. Government Funds in State Bank of India, Lucknow

श्री राजनाथ सिंह (उत्तर प्रदेश) : मैडम, उत्तर प्रदेश में लखनऊ के स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा में सरकारी खाते से 320 करोड़ रुपए विलुप्त कर दिए जाने के कारण पूरे प्रदेश में एक गंभीर संकट पैदा हो गया है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने यह प्रतिबंध भी लगा दिया है कि किसी भी सरकारी बिल का भुगतान स्टेट बैंक आफ इंडिया के द्वारा नहीं किया जाना चाहिए।

महोदया, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने भारत सरकार के प्रधान मंत्री को यह पत्र भी लिखा है और कहा है कि पूरे प्रकरण की जांच की जानी चाहिए। उनका तो यह कहना है कि क्लेरिकल मिस्टेक के कारण ऐसा हुआ है। लेकिन जम्मू कश्मीर का भी उदाहरण हमारे सामने है कि वहां के सतर्कता विभाग ने टी-14 आपरेशन, टी का अर्थ है ट्रेजरी, 15 मार्च से 31 मार्च तक चलाया था जिसके परिणामस्वरूप कई अधिकारियों के ऊपर यह आरोप लगाया गया है कि उन्होंने फर्जी दावे पेश किए और फर्जी वाउचर देकर भुगतान प्राप्त किया है। उनके विरुद्ध एफ० आई० आर० दर्ज की गई है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि पूरे प्रकरण की, स्टेट बैंक आफ इंडिया की लखनऊ शाखा द्वारा जो गड़बड़ी की गई है, उसकी छानबीन की जानी चाहिए। कारण यह है कि उत्तर प्रदेश की जनता में यह आम धारणा बन गई है कि पूरा प्रदेश दिवालिया बन गया है। वैसे ही पहले यह धारणा बन गई है कि कानून और व्यवस्था वहां पर विफल हो चुकी है, लेकिन उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री इस मामले को क्लेरिकल मिस्टेक बताते हैं। अतः इस संभावना को नकारा नहीं जा सकता है कि 15 मार्च से 31 मार्च के बीच में फर्जी बिल और फर्जी वाउचर बना कर वे भुगतान प्राप्त करना चाहते है। अतः मैं आपके माध्यम से शासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि पुरे प्रकरण की छानबीन की जानी चाहिए क्योंकि इसके कारण पूरे बैंकिंग सिस्टम की विश्वसनीयता पर एक प्रश्न-चिह्न लग गया है।

Non-stoppage of Rajdhani Express at Allahabad

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्रालय का ध्यान रेलवे बोर्ड द्वारा इलाहाबाद की जिस प्रकार से उपेक्षा की जा रही है, उसकी ओर दिलाना चाहता हूं।

महोदया, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि इलाहाबाद एक जमाने में उत्तर प्रदेश की राजधानी थी और वहां से आजादी के जमाने में पंडित अयोध्यानाथ, पंडित मदनमोहन मालवीय, पंडित मोतीलाल नेहरु, पंडित जवाहरलाल नेहरु और पुरुषोत्तमदास टंडन जी आते थे और पुरुषोत्तमदास टंडन को छोड़कर बाकी तीन-तीन चार-चार बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। इलाहाबाद एक सांस्कृतिक नगरी है, साहित्यिक नगरी है जहां से चार प्रधान मंत्री हुए, जवाहरलाल नेहरु, लाल बहादुर शास्त्री, श्रीमती इंदिरा गांधी और राजीव गांधी। अभी पहली अप्रैल 1994 से रेल मंत्रालय और रेलवे बोर्ड ने एक नया अभियान चलाया—"दक्षिण पूर्व रेलवे—भारतीय रेलवे का एक प्रमुख जोन गौरव के साथ एक महान रेल यात्रा की घोषणा करता है, राजधानी एक्सप्रेस (साप्ताहिक) भुवनेश्वर-नई दिल्ली-भुवनेश्वर का 1 अप्रैल, 1994 से शुभारंभ।" जो वहां पर कार्यक्रम हुआ उसमें रेल मंत्री जाफर शरीफ, रेल राज्य मंत्री श्री के० सी० लेंका भी उपस्थित थे। लेकिन इस गाड़ी का जो स्टापेज है, उसको इलाहाबाद नहीं रखा गया है। भुवनेश्वर से यह गाड़ी कटक, हावडा, आसनसोल, धनबाद, मुगलसराय और कानपुर रुककर नई दिल्ली आएगी। अतः मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री और रेलवे मंत्रालय का ध्यान इलाहाबाद की जो उपेक्षा की जा रही है उस ओर दिलाना चाहता हूँ और सरकार से आशा करता हूं कि शीघ्र ही इस गाड़ी की इलाहाबाद में भी रुकने की घोषणा करें। अभी इस गाड़ी को चले हुए केवल 15–20 दिन ही हुए है। यह गाड़ी इलाहाबाद मे रुके ताकि न केवल इलाहाबाद के लोगों को वरन संपूर्ण भारत के लोगों को जो इलाहाबाद जाना चाहते है, उनको सुविधा मिले और इस ऐतिहासिक नगरी में इस गाड़ी के न रुकने के कारण जो ठेस पहुंच रही है वह दूर हो सके। यहां के जो लोग तीर्थराज पुरी जाना चाहते है उन्हें सुविधा मिले। धन्यवाद।

SPECIAL MENTIONS

Need to project Taj Mahal from pollution

श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन (महाराष्ट्र) : थैंक यू मेडम। एक शहंशाह ने बनवाके हंसी ताजमहल सारी दुनिया को मोहब्बत की निशानी दी है। शाहजहां से अपनी बेगम मुमताज महल की याद में ताजमहल बनाकर पूरे देश, पूरे विश्व को एक मुहब्बत का तोहफा दिया है। संगेमरमर की यह इमारत हीरे और मोती से जड़ी हुई है और मुहब्बत की एक जीतीजागती तस्वीर है हमारे पूरे देश की शान है, पूरे देश की जान है, हम सबका यह धर्म है हमारा ईमान है।

श्री अनन्तराम जायसवाल (उत्तर प्रदेश) : इस सिलसिले में मैडम :

"एक शहंशाह ने दौलत का सहारा लेकर गरीबों को मुहब्बत का उड़ाया है मजाक"।

श्री एस० एस० सुरजेवाला (हरियाणा) : इसलिये हमने कहा कि छोड़िये मेरी महबूबा कहीं और मिलाकर मुझ से।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : ताजमहल में मिलने की जरुरत नहीं है।

श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : महबूबा और मजाक की बात मैं बाद में करना चाहूंगी। जो मैंने प्रश्न उठाया है वह ताजमहल के प्रदूषण के बारे में है। उसकी ओर मैं पूरे सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि दुनिया के नौ अजायबों में से एक माना हुआ अजायब है ताजमहल, जिसको देखने के लिये लाखो करोड़ों लोग पूरे विश्व भर से वहां जाते हैं, उसे अपने दिल में उसे उतारने के लिये आगरा में जाते रहते है। यह लाखों करोड़ों की यात्रा का स्थान है लेकिन इसकी जो दुर्दशा हो रही है यह एक दर्दनाक